

## BOOK II.

### CHAP. I.

1 वर्गाः पृथ्वी पुर द्वाभट्टनैषधि मृगादिभिः

वृत्रक्षत्र चत्र विट् प्रद्वैः सांगोपांगैरिहोदिताः

Earth.

2 भूर्भूमिरचलाऽनन्ता रसा विश्वम्भरा स्थिरा \*अ-

धरा धरित्री धरणिः क्षोणी ज्या काश्यपी क्षितिः

3 सर्व्वसहा वसुमती वसुधोर्व्वी वसुन्धरा †धा. ‡उ-

गोत्रा कुः पृथिवी पृथ्वी द्वाऽवनिर्मेदिनी मही §मे-

Soil.

4 मृन्दत्तिका - ‥मृद-

An excellent soil.

(प्रप्रास्ता तु मृत्ता मृत्त्वा च मृत्तिका)

Fertile with every crop.

उर्व्वरा (सर्व्व प्रसदाब्ज)

1 Also भूमी.

2 Likewise धरणी and क्षोणी.

3 Also अवनी.

4 Likewise महिः.